ईद और रमजान की समाप्ति

रेटिंग:

विवरण: ????? ?? ????? ?? ????? ??????? ?? ????? ?? ??? ?? ??? ???? ??, ?????? ?????? ?? ???? ?????? ????, ????????? ????, ???? ?? ??? ?? ?????? ?? ?? ????????? ????? ?? ?????? ???? ????? ??? ?? ??? ?? ?? ??? ?? ??????? ????-??????? ????

श्रेणी: [पाठ](#) › [पूजा के कार्य](#) › [उपवास](#)

द्वारा: NewMuslims.com

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य

·जानना कि *???? ??-??????* क्या है

·*????? ??-??????* के ज्ञान और दायित्व का एहसास करना।

·*???? ??-?????* के बुनियादी नियमों को जानना।

·जानना कि *??* क्या है।

·*?????* के महत्व को समझना।

·ईद की नमाज और उत्सव के कुछ दिशानिर्देशों को समझना।

अरबी शब्द

·रमजान - इस्लामी चंद्र कैलेंडर का नौवां महीना। यह वह महीना है जिसमें अनिवार्य उपवास निर्धारित किया गया है।

·*??????* - अनुष्ठान स्नान।

·*??* - त्योहार या उत्सव। मुसलमान दो प्रमुख धार्मिक अवकाश मनाते हैं, जिन्हें ईद-उल-फ़ित्र (जो रमजान के बाद आता है) और ईद-उल-अज़हा (जो हज के समय होता है) कहा जाता है।

·*?? ??-?????* - रमजान के अंत में मुस्लिम उत्सव।

·??-??-???? - "बलदिान का पर्व"।

·???? - प्रार्थना की इकाई।

·???? ??-????? - उपवास तोड़ने का अनविार्य दान।

आपका इस्लामकि केंद्र रमजान की समाप्तिऔर ईद के जश्न की घोषणा करेगा। रमजान के महीने के बाद का पहला दनि ईद उल-फ़त्रि है, जो उपवास तोड़ने का उत्सव है। बहुत संभव है, रमज़ान के अंतमि कुछ दनिों में, आपकी मस्जदि भी ज़कात उल-फ़त्रि (उपवास तोड़ने का अनविार्य दान) - गरीब मुसलमानों के लिए रमज़ान के बाद के अनविार्य भोजन (या धन) - को इकट्ठा करना।

ज़कात उल-फ़त्रि

पैगंबर के साथयिों में से एक ने कहा,

"अल्लाह के दूत ने अश्लील शब्दों या कार्यों से शुद्ध करने के लिए और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए उपवास रखने वालो पर ज़कात उल-फ़त्रि अनविार्य कर दयिा। यह उस व्यक्तिके लिए ज़कात है जो इसे ईद की नमाज़ से पहले देता है, लेकनि जो इसे ईद की नमाज़ के बाद देता है उसके लिए यह केवल समान्य दान है।"[1]

हम ज़कात उल-फ़त्रि के बारे में तीन बातें सीखते हैं:

(ए) यह उस व्यक्तिको शुद्ध करता है जसिने रमज़ान का उपवास कयिा और रमज़ान के दौरान कएि गए अशोभनीय बातों और छोटे पापों से शुद्ध करता है।

(बी) यह ईद खाने-पीने का दनि है, क्योंकिइससे पहले का महीना उपवास का था। ज़कात उल-फ़त्रि यह सुनश्चिति करता है कसिबसे गरीब मुसलमान भी उत्सव के इस दनि को मनाये।

(सी) ज़कात उल-फ़त्रि देना प्रत्येक मुसलमान के लिए आवश्यक है जो खुद और परविार के प्रत्येक सदस्य की ओर से देने में सक्षम है।

भोजन की मात्रा

प्रतिव्यक्तिदएि जाने वाले भोजन की मात्रा मोटे तौर पर दोनों हाथों की चार मुट्ठी भर के बराबर होती है। अलग-अलग खाद्य पदार्थों के लिए इसकी मात्रा अलग-अलग होती है। कसिी धर्मार्थ संगठन या मस्जदि को पैसे देने की अनुमतिहै ताकविे खाद्य सामग्री खरीद सकें और इसे आपकी ओर

से गरीबों में वितिरति कर सकें, और यही कारण है कि कई मस्जिदें इसकी कीमत के बराबर धन लेती है। आप मस्जिद या धर्मार्थ संगठन को खाने का सामान दे सकते हैं, अपनी ओर से जकात उल-फ़ित्र बांटने के लिए धन दे सकते हैं या यदि आप चाहें तो स्वयं किसी को जकात उल-फ़ित्र दे सकते हैं।

भोजन के प्रकार

आपके क्षेत्र के लोगों का मुख्य भोजन दिया जा सकता है। पैगंबर के समय में खजूर, जौ, गेहूं, जैतून, किशमिश, और पनीर आमतौर पर खाया जाता था। आज पास्ता, चावल, बीन्स, आलू, पनीर और इसी तरह के अन्य खाद्य पदार्थ अधिक आम हैं।

इसे देने का सबसे अच्छा समय

इसे देने का सबसे अच्छा समय ईद की पूर्व संध्या से नमाज़ के लिए जाने से ठीक पहले है।

इसे देने का वैध समय

आप इसे ईद से एक या दो दिन पहले दे सकते हैं।

ईद की नमाज के बाद देना

ईद की नमाज के बाद देना पाप है।

इसे किसको देना है?

यह गरीब मुस्लिम साथी को दिया जाता है, यह जरुरी नही की सिर्फ बहुत ही गरीब को दिया जाये।

ईद उल-फ़ित्र

"ईद" का अर्थ है सामाजिक मेलजोल का दिन। इस्लाम में केवल तीन त्योहार हैं:

(ए) वार्षिक *?? ??-?????*

(बी) वार्षिक *?? ??-????*

(सी) साप्ताहिक *????????*।

ईद उल-फ़ित्र मुसलमानों के लिए एक प्रमुख उत्सव है, अल्लाह के प्रति आभार व्यक्त करने का, पारिवार के इकट्ठे होने का, मस्ती और ख़ुशी का समय है। इस दिन लोग एक दूसरे को बधाई देते हैं और रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलने जाते हैं। विस्तृत व्यंजन तैयार किए जाते हैं, नए कपड़े पहने जाते हैं, उपहारों का आदान-प्रदान किया जाता है और बच्चे मस्ती करते हैं।

ईद पर किए जाने वाले कुछ अनुशंसित कार्य निम्नलिखित हैं:

ए)ईद की नमाज से पहले भोर मे ग़ुस्ल करना या नहाना।

बी)सजना: पैगंबर ईद की नमाज में जाने के लिए अपने सबसे अच्छे कपड़े पहनते थे। उनके पास एक लबादा था जिसे वह विशेष रूप से दो ईद और शुक्रवार को पहनते थे।

सी)तकबीर (अल्लाह की महानता की घोषणा) कहना ईद की एक विशिष्ट विशेषता है और क़ुरआन में इसका उल्लेख है:

"...तथा इस बातपर अल्लाह की महिमा का वर्णन करो कि उसने तुम्हें मार्गदर्शन दिया और (इस प्रकार) तुम उसके कृतज्ञ बन सको।" (क़ुरआन 2:185)

कब?

ईद की तकबीर का समय उस समय से शुरू होता है जब कोई व्यक्ति अपने घर से मस्जिद की ओर जाता है। पैगंबर (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ईद के दिन अपने घर से तकबीर कहते हुए निकलते और जब तक कि वह नमाज़ न पढ़ लेते तकबीर कहते रहते। वह नमाज के बाद तकबीर कहना बंद कर देते थे।

क्या कहना है?

तकबीर में क्या कहना चाहिए, इसके बारे में विभिन्न प्रामाणिक कथन हैं। संक्षिप्तता के लिए, हम उस का उल्लेख कर रहे हैं जो सबसे आम है।

अल्लाहु अकबर, अल्लाहु अकबर, ला इलाहा इल्लल्लाह, वअल्लाहु अकबर, अल्लाहु अकबर, व लिल्लाहिल-हम्द।[2]

ईद की नमाज

इस्लाम हमें सिखाता है कि खुशी के इन मौकों को कैसे मनाया जाए। हमें अपने दैनिक जीवन में ईश्वर के उपहारों को याद करना है; यही कारण है कि उत्सव का प्रमुख हिस्सा सार्वजनिक प्रार्थना है। ईद की नमाज़ दो रकात की होती है और इसमें कुछ अलग से जोड़ा जाता है। इमाम ईद की नमाज की विधि बताएगा। नमाज के बाद वह ईद का धर्मोपदेश देंगे, जो आमतौर पर आधे घंटे का होता है।

इसके बाद लोग एक-दूसरे को 'तकब्बल-अल्लाहु मिन्नी व मिंकुम,'[3] 'कुल्लू आम व अन्तुम बि-खैर,'[4] 'ईद मुबारक,'[5] या बस 'हैप्पी ईद' कहकर बधाई देते हैं।

मैं आपको स्कूल या काम से कुछ समय निकाल के साथी मुसलमानों के साथ ईद मनाने की सलाह दूंगा। जैसे-जैसे आप आने वाले वर्षों में आध्यात्मिक रूप से बढ़ेंगे, दोस्ती करेंगे, और उम्मीद है कि एक खुशहाल मुस्लिम परिवार बनाएंग, ईद निश्चित रूप से एक सार्थक पारिवारिक त्योहार बन जाएगा, जिसमें सभी एक साथ आएंगे और मार्गदर्शन के उपहार के लिए ईश्वर को आभार व्यक्त करेंगे।

फुटनोट:

[1] अबू दाऊद, इब्न माजा, दरकुत्नी, हकीम

[2] अल्लाह सबसे बड़ा है। अल्लाह महानतम है। अल्लाह के सिवा कोई पूजा के लायक नहीं। अल्लाह महानतम है। अल्लाह सबसे बड़ा है और सभी धन्यवाद और प्रशंसा उसी के लिए है!

[3] अल्लाह हमारी पूजा को स्वीकार करे।"

[4] आप हर साल समृद्ध रहें।

[5] ईद मुबारक।

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/27

कॉपीराइट © 2011 - 2024   NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।